THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

बलात्कार : आहत को स्वस्थ करने में और हमलों को रोकने में कैसे मदद करें

Rape : how to help heal the hurt and stop the attacks

Author – Judy Cole

Christian Science Sentinel Volume 115, Issue 11, March 18, 2013

यद्यपि लोगों के लिए खुले तौर पर बात करने के लिए बलात्कार एक कठिन विषय है, यह हर आदमी और औरत को चिन्तित करता है। यूरिपाईड्स ने कहा था, "जब एक अच्छा इन्सान आहत होता है, वे सब जो अच्छे कहलाए जाते हैं उसके साथ प्रभावित होने चाहिएं।" बलात्कार किसी का भी हो, कहीं भी हो, घिनौना है; फिर भी कभी-कभी ऐसे समाचारों के प्रति उदासीनता दिखाई जाती हैं, क्योंकि यौन दुराचार दुनिया में हर जगह, हर रोज़ होते हैं।

पहले भारत में सामूहिक बलात्कार के समाचार, तथा फिर यह खबर कि मिस्त्र में विरोध कर रही महिलाओं के साथ बलात्कार करने के लिए गिरोहों को पैसे दिए जा रहे थे, दर्शाते हैं कि हमें यदि इन मुद्दों को खत्म करना है तो हमें इन पर ध्यान देना चाहिए। बलात्कार जो कि युद्ध के एक हथियार की तरह है, उसे रोकना होगा। और हाँ, ऐसा कुछ है जो हम में से प्रत्येक कर सकता है।

ऐसे आक्रमण कायरतापूर्ण तथा स्वार्थी हैं। वे यौन के बारे में कम तथा बल और नियंत्रण के बारे में अधिक हैं। परन्तु सांसारिकता से उत्पन्न बल मानवता को सबसे घिनौनी बुराई में जकड़ लेता है।

क्राईस्ट जीसस ने मानव का परमेश्वर द्वारा दिया गया प्रभुत्व प्रत्यक्षीकृत किया, बीमारी तथा पाप का उपचार करते हुए, तथा उसके द्वारा क्राइस्ट, सत्य की पराकाष्ठा को प्रकट करते हुए। इस शक्ति का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा, "परमेश्वर का साम्राज्य तुम्हारे अन्दर है।" (लूका 17:21)

परमेश्वर के पुत्र तथा पुत्रियाँ होने के नाते, सहज रूप से, उसके द्वारा दिए गए प्राधिकार से, हम सबके पास बुराई की हर अवस्था पर आध्यात्मिक शक्ति है। अपनी परमेश्वर से प्राप्त क्षमता का इस्तेमाल करके, हम अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों मे अच्छाई की सत्ता को प्रतिबिम्बित करते हैं। अतः ऐसा है कि सर्वशक्तिमान, दिव्य शक्ति द्वेष के कोप, घमंड के अत्याचार, तथा स्वार्थी पाप पर विजय प्राप्त करती है। हम प्रार्थना के द्वारा दिव्य शक्ति को प्रयोग में लाकर, अपने आप को तथा दूसरों को मुक्त करने के लिए भौतिकवाद की सीमितताओं तथा देह की कैद पर विजय पाते हैं।

For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

एक स्त्री ने अपना बलात्कार होने के बाद इसे मददगार पाया। अकेली, क्षत–विक्षत तथा सदमे में, वह प्रार्थना में परमेश्वर की ओर मुड़ी। घंटो बीत गए जब उसने चेतना तथा बेहोशी के बीच संघर्ष किया, अपने आग्रह के साथ दृढ़ होते हुए कि बलात्कार तथा बलात्कारी में परमेश्वर द्वारा प्राप्त प्राधिकार नहीं था। अपने आप को आध्यात्मिक रूप में पहचानते हुए, उसने अपने अन्दर के परमेश्वर के साम्राज्य को समर्पण किया, जिसने उसे इस आध्यात्मिक शक्ति को प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

एक ही दिन में, सारा शारीरिक आघात ठीक हो गया, और उसने अपना सामान्य काम करना पुनः शुरू किया। प्रार्थना से सुदृढ़ होते हुए, उसने इस तथ्य के खिलाफ डटकर सामना किया कि वह पीड़ित है या अपने भोलेपन या किसी दूसरे के कपट से बुराई का युद्धक्षेत्र हो सकती है। उसके अपने आप के लिए तथा समस्त मानव जाति के लिए अच्छाई की सर्वशक्तिमानता के लिए सच्चाई के सरल विरोधों ने उसे शर्मिंदगी, डरावने सुझावों जैसे किसी प्रकार से वह कलंकित है या इसी लायक है, तथा यह कि वह निश्चित रूप से स्थायी मनोवैज्ञानिक दागों से प्रभावित होगी, से मुक्त किया।

एक धार्मिक पुरूष या स्त्री की प्रार्थना पीड़ितो का उपचार करने तथा अपराध को रोकने के लिए इस धरती पर सबसे अधिक शक्तिशाली ताकत है।

डर, गुस्सा, नाराज़गी तथा कड़वाहट को नकराते हुए, मेरी बेकर एडी द्वारा लिखित साँयस एण्ड हैल्थ विद की टू दी स्क्रिप्चर्स के इस कथन से वह सशक्त हुईः "क्रिश्चियन सायंटिस्ट ने बुराई, बीमारी, तथा मृत्यु को कम करने के लिए सूचीबद्ध किया है; और वह उनकी निरर्थकता तथा परमेश्वर, या अच्छाई की सर्वज्ञता की समझ से उन पर विजय प्राप्त करता है। उसके लिए बीमारी भी पाप के समान प्रलोभन से अधिक नहीं है, तथा वह उन दोनों का उपचार उनके ऊपर परमेश्वर की शक्ति की समझ से करता है" (पृष्ठ 450)।

कुछ ही महीनों में उसे पता चल गया था कि वह स्व–इच्छा तथा स्व–दृढ़ता से अधिक महान–शक्ति के द्वारा पूर्णतः मुक्त हो गई थी। उसकी शान्ति की गहराई तथा असली प्रसन्नता ने उसे आने वाले वर्षो में प्रार्थना करने के लिए प्रेरित किया ताकि वह अन्य पीड़ितों की सहायता कर सके तथा भावी अत्याचारियों को रोक सके। वर्षो बाद जब उस पर हमला करने वाले ने उसे टेलीफोन किया, तब वह भयभीत नहीं हुई। वह बहुत पहले ही उसे माफ कर चुकी थी, तथा परमेश्वर के न्याय पर विश्वास कर चुकी थी। क्योंकि उसे पता था कि दिव्य शक्ति सर्वोच्च है, वह उसे अपने ऊपर हमला करने के लिए माफी माँगने पर तथा यह बताने पर, कि वह बदल गया है और फिर कभी किसी अन्य पर हमला नहीं किया, आश्चर्यचकित नहीं थी।

बलात्कार की खबर हर अच्छे पुरूष या स्त्री के हृदय को झकझोरती है। हम सभी मदद के लिए और अधिक कर सकते हैं। एक धार्मिक पुरूष या स्त्री की प्रार्थना पीड़ितों का उपचार करने के लिए, अपराधी के सुधार के लिए, अपराध को रोकने के लिए तथा युद्ध को समाप्त करने के लिए इस धरती पर सबसे अधिक शक्तिशाली ताकत है। हम यहाँ और अभी, जो बाइबल कहती है, उसे प्रमाणित कर सकते हैंः "(क्योंकि हमारे युद्ध के हथियार शारीरिक नहीं परन्तु गढ़ों को ध्वस्त करने के लिए ईश्वरीय सामर्थ्य से परिपूर्ण है;) हम अपने परमेश्वर के विरूद्ध उठने वाली कल्पनाओं और प्रत्येक अवरोध का खण्डन करते हैं और प्रत्येक विचार को बन्दी बना कर क्राइस्ट का आज्ञाकारी बना देते है" (II कुरिन्थियों 10:4,5)

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.